बाल भारती पब्लिक स्कूल पीतमपुरा ,नई दिल्ली ११००३४
कक्षा - सातवीं   विषय - हिंदी
अभ्यास-पत्रिका - पाठ -१
हम पंछी उन्मुक्त गगन के

निर्देश - 1 -पाठ अच्छी तरह पढ़ने के बाद निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी नोटबुक में लिखें |
२- प्रश्न नोटबुक में उतारने की आवश्यकता नहीं है |
३ -केवल सही उत्तर वाला पूरा विकल्प ही लिखना है |

प्रश्न -१ हम पंछी उन्मुक्त गगन के कविता के कवि का नाम है -
क - केदार नाथ अग्रवाल
ख -शिवमंगल सिंह सुमन
ग -सुभद्रा कुमारी चौहान
घ -दिनकर

प्रश्न -२ पक्षी मधुर गीत कब नहीं गा पाएँगे ?
क -आसमान में उड़ते हुए
ख-पेड़ पर बैठ कर
ग -पिंजरे के अंदर रहकर
घ -पिंजरे से दूर जाकर

प्रश्न -३ पक्षियों को कैसा जल पीना पसंद है ?
क -सागर का
ख -झील का
ग - तालाब का ठहरा जल
घ - नदियों का बहता जल

प्रश्न -४ उनके लिए पिंजरे में रखे मैदे से बेहतर क्या है ?
क -आम का फल
ख -अनार के दाने
ग - नीम का कड़वा फल
घ -जामुन का फल

प्रश्न -५ कविता में **स्वर्ण शृंखला** का क्या अर्थ है ?
क -सोने की जंजीर
ख -सुख -सुविधा युक्त परतंत्र जीवन
ग - सुख सुविधा युक्त स्वतंत्र जीवन
घ -सोने का पिंजरा

प्रश्न - ६ पक्षी किससे प्रतियोगिता करना चाहते हैं ?

क - आसमान से

ख - इंसान से

ग -दूसरे पक्षियों से

घ -क्षितिज से

प्रश्न - ७ कविता में **लाल किरण** वास्तव में क्या है ?

क - पक्षियों की चोंच

ख - पक्षियों के पंख

ग - सूरज की किरण

घ - अनार का फल

प्रश्न - ८ कविता में अनार के दाने किसे कहा गया है ?

क - जल की बूँदों को

ख -अनाज के दानों को

ग - फलों को

घ - आसमान में स्थित तारों को

प्रश्न - ९ अंत में पक्षी क्या प्रार्थना करते हैं ?

क - उनकी उड़ान में बाधा मत डालो

ख - उन्हे अच्छा भोजन दो

ग - उनका पिंजरा बड़ा बना दो

घ - उन्हें साफ़ जल दो

प्रश्न - १० उपर्युक्त कविता की भाषा क्या है ?

क - ब्रज भाषा

ख - अवधी भाषा

ग - खड़ी बोल   घ - इनमें से कोई नहीं

अपठित गद्यांश

- अपठित गद्यांश कैसे हल करते हैं इसे समझने के लिए नीचे दिए गए लिंक देखें --

https://www.youtube.com/watch?v=WXDvYKHn4xk&app=desktop

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ने के पश्चात दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें -

विश्व भर के डॉक्टरों ने यह साबित कर दिया है कि शाकाहारी भोजन उत्तम स्वास्थ्य के लिए सर्वश्रेष्ठ है । फल- फूल , सब्ज़ी,विभिन्न प्रकार की दाले, बीज एवम् दूध से बने पदार्थों आदि से मिलकर बने हुए संतुलित भोजन में कोई जहरीला तत्व कभी उत्पन्न नहीं होता । इसका प्रमुख कारण यह है कि जब कोई जानवर मारा जाता है तो वह मृत पदार्थ बनता है । यह बात सब्ज़ी के साथ लागू नहीं होती । यदि किसी सब्ज़ी को आधा काटकर ज़मीन में पुनः बो दिया जाए तो संभव है कि वह फिर से पनप जाए लेकिन यह बात मुर्गा , मछली , बकरा , हिरण आदि के लिए नहीं कही जा सकती। अनेक खोजों से यह भी पता चला है कि जब जानवर को मारा जाता है तो वह इतना डर जाता है कि भय से उत्पन्न होने वाले जहरीले तत्व उसके सारे शरीर में फैल जाते हैं । वे ही जहरीले तत्व जब भोजन के रूप में मांस खाने वाले व्यक्ति के शरीर पहुंचते हैं तो उनका शरीर उन तत्वों को पूर्णतया बाहर निकालने में समर्थ नहीं हो पाता । नतीजा यह होता है कि उच्च रक्तचाप , हृदय रोग और किडनी आदि की बीमारी होने की संभावना ऐसे मांसाहारी लोगों में अधिक रहती है । अच्छे स्वास्थ्य के शाकाहारी बनने में ही सबकी भलाई है । आज अनेक बुद्धिजीवी शाकाहारी जीवन - प्रणाली को अधिक आधुनिक , प्रगतिशील और वैज्ञानिक कहते हैं एवम् स्वयं को शाकाहारी कहने में गर्व महसूस करते हैं ।

प्रश्न - १ संतुलित आहार में कौन - कौन से खाद्यपदार्थ सम्मिलित हैं ?

प्रश्न - २ स्वास्थ्य की दृष्टि किस प्रकार के भोजन को उत्तम कहा गया है और क्यों कहा गया है?

प्रश्न -३ जब किसी जानवर को मारा जाता है तो उसके शरीर में क्या परिवर्तन होता है ?

प्रश्न -४ बुद्धिजीवी लोग शाकाहारी जीवन प्रणाली को क्या कहते हैं ?

प्रश्न - ५ उपर्युक्त गद्यांश के लिए एक उचित शीर्षक लिखें ।